समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे

सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक

कक्षा 7 | भाग 2

© NCERT not to be republished

0784

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

0784 – समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे
कक्षा 7 के लिए सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, भाग 2

ISBN 978-93-5729-753-0

प्रथम संस्करण
जून 2026 ज्येष्ठ 1948

PD 200T BS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2026

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा न्यू किंग ऑफ़सेट प्रेस, डी-18-19, उद्योग पुरम, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली रोड, मेरठ सिटी, मेरठ–250 002 (उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	एम. वी. श्रीनिवासन
मुख्य संपादक	:	विज्ञान सुतार
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	अमिताभ कुमार
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	दीपक जैसवाल
उत्पादन सहायक	:	साहित्य शर्मा

आवरण, चित्रांकन एवं ले-आउट
बैनियन ट्री

कार्टोग्राफर
अर्काप्रोवो दास

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश में ऐसी शिक्षा-प्रणाली की अनुशंसा करती है, जो भारतीय लोकाचार तथा मानव प्रयत्न और ज्ञान के समस्त क्षेत्रों में अर्जित हमारी सभ्यतागत उपलब्धियों में गहराई से निहित हो और साथ ही विद्यार्थियों को इक्कीसवीं शताब्दी की संभावनाओं एवं चुनौतियों से रचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए सक्षम बनाए। इस आकांक्षी दृष्टि की सुदृढ़ आधारशिला *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.) 2023* द्वारा सभी स्तरों में विभिन्न पाठ्यचर्या क्षेत्रों के अंतर्गत स्पष्ट रूप से रखी गई है। बुनियादी एवं प्रारंभिक स्तरों में विद्यार्थियों की अंतर्निहित क्षमताओं का पोषण करते हुए, मानव अस्तित्व के सभी पंचकोषीय आयामों को स्पर्श करने वाली शिक्षा ने उनके अधिगम को मध्य स्तर में आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इस प्रकार, मध्य स्तर कक्षा 6 से कक्षा 8 तक तीन वर्षों को समाहित करते हुए प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों के मध्य एक सेतु का कार्य करता है।

विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के अंतर्गत मध्य स्तर में विद्यार्थियों को ऐसे कौशलों में दक्ष करने का लक्ष्य रखा गया है, जो उन्हें जीवन-पथ पर आगे बढ़ने में सहायक हों। यह उनकी विश्लेषणात्मक, वर्णनात्मक तथा कथात्मक क्षमताओं को सुदृढ़ करने का प्रयास करती है और उन्हें आगामी चुनौतियों एवं अवसरों के लिए तैयार करती है। तीन भाषाओं— जिनमें कम-से-कम भारत की दो मूल भाषाएँ सम्मिलित हैं— से लेकर विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा एवं आरोग्य तथा व्यावसायिक शिक्षा तक विस्तारित नौ विषयों का विविध पाठ्यक्रम उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करता है।

इस प्रकार की रूपांतरणकारी अधिगम-संस्कृति के लिए कुछ अनिवार्य परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इनमें से एक प्रमुख आवश्यकता विभिन्न पाठ्यचर्या क्षेत्रों के लिए उपयुक्त पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता है, क्योंकि ये पाठ्यपुस्तकें विषयवस्तु और शिक्षण-पद्धति के मध्य सेतु की भूमिका निभाती हैं— ऐसी भूमिका, जो प्रत्यक्ष शिक्षण और अन्वेषण एवं जिज्ञासा के अवसरों का संतुलित समन्वय स्थापित करती है। अन्य आवश्यक परिस्थितियों में शिक्षण-कक्ष की व्यवस्था और शिक्षकों की समुचित तैयारी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, जिससे पाठ्यचर्या क्षेत्रों के भीतर तथा उनके बीच संकल्पनात्मक संबंध स्थापित किए जा सकें।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) अपने दायित्व के निर्वहन में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य से गठित विभिन्न पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों— जिनमें प्रतिष्ठित विषय-विशेषज्ञ, शिक्षाविद् तथा कार्यरत शिक्षक सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं— ने ऐसी पाठ्यपुस्तकों के विकास हेतु सभी संभव प्रयास किए हैं। कक्षा 7 की यह सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक— समाज का अध्ययन : भारत और उससे आगे, भाग 2— कक्षा 7 के द्वितीय अर्ध के लिए तैयार की गई है। यह कक्षा 7 के भाग 1 की विषयवस्तु और दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है तथा कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के भाग 1 के साथ

© NCERT not to be republished

सुदृढ़ अंतर्संबंध स्थापित करते हुए मुख्यत: मूल अवधारणाओं और प्रमुख घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करती है। आकर्षक विन्यास में प्रस्तुत चित्रों, मानचित्रों और रेखाचित्रों के माध्यम से यह विद्यार्थियों को अधिगम में सक्रिय रूप से संलग्न रखने का प्रयास करती है। पाठों में अंतर्निहित प्रचुर चिंतन अभ्यास और गतिविधियाँ अन्वेषण, खोज तथा अर्थ-निर्माण को प्रोत्साहित करती हैं। बहु-अनुशासनिक दृष्टि के साथ अपनाया गया विषयगत दृष्टिकोण निरंतरता बनाए रखता है, जिससे विद्यार्थी विचारों और अवधारणाओं को समग्र रूप में समझ सकें। यह पाठ्यपुस्तक उन मूल्यों को समाहित करती है, जिन्हें हम अपने विद्यार्थियों में विकसित होते देखना चाहते हैं। भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में निहित होने के साथ ही यह विद्यार्थियों को उनकी आयु के अनुसार वैश्विक दृष्टिकोणों से परिचित कराती है। मेरे विचार से, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों की दृष्टि से इस पाठ्यपुस्तक ने अपने पाठ्यचर्यात्मक लक्ष्यों— प्रथम, विषयवस्तु के समुचित चयन के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वाभाविक जिज्ञासा का संवर्धन और द्वितीय, *एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023* की संस्तुतियों के अनुरूप शिक्षण-पद्धति— को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है।

तथापि, इस पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त, इस स्तर पर विद्यार्थियों को अन्य विविध अधिगम संसाधनों के अन्वेषण के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ऐसे संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में विद्यालयी पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इसके साथ ही, अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें इसके लिए प्रेरित करने में अमूल्य सिद्ध होगी।

मैं इस पाठ्यपुस्तक के विकास में सम्मिलित सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस उत्कृष्ट प्रयास को साकार किया है और आशा करता हूँ कि यह पुस्तक सभी हितधारकों की अपेक्षाओं को पूर्ण करेगी। इसके साथ ही, हम आपकी टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं, जिनसे भावी संस्करणों को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकेगा।

जून 2025
नई दिल्ली

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

© NCERT not to be republished

विद्यार्थी के नाम पत्र

प्रिय विद्यार्थी,

आप अब कक्षा 7 के द्वितीय अर्ध में प्रवेश कर चुके हैं। हमें विश्वास है कि आपने सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के भाग 1 के साथ सीखने की प्रक्रिया का आनंद लिया होगा। अब हम आपके समक्ष भाग 2 प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें हम पाँच विषयों— भारत एवं विश्व, अतीत के चित्रपट, हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान-परंपराएँ, शासन प्रणाली और लोकतंत्र तथा हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन— के अंतर्गत नए-नए आयामों का अन्वेषण करते हुए अपनी यात्रा को आगे बढ़ाएँगे। हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप मानचित्रों और दृष्टांतों का सतत अन्वेषण करते रहें, अपने मित्रों और शिक्षकों के साथ चर्चाओं में भाग लें तथा शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग से पुस्तक में दी गई गतिविधियों का वर्णन करें।

आप यह देखने का प्रयास कीजिए कि किस प्रकार से प्रत्येक विषयवस्तु में इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान अथवा अर्थशास्त्र जैसे अनेक विषयों की सामग्री को एकीकृत किया गया है। यह हमें वास्तविक जीवन के और निकट लाता है तथा वर्तमान की घटनाओं को अधिक स्पष्टता से समझने में सहायता करता है।

इस पुस्तक के निर्माण की प्रक्रिया में हमने पूर्ववर्ती पुस्तकों के समान ही स्नेह और सतर्कता के साथ कार्य किया है। हमें आशा है कि आप नए क्षितिजों का अन्वेषण करते हुए अथवा हमारे द्वारा प्रस्तुत किए गए कुछ चुनौतीपूर्ण प्रश्नों के मौलिक उत्तर ढूँढ़ते हुए अध्ययन का आनंद लेंगे।

सदैव की तरह, इस पाठ्यपुस्तक में इसके प्रत्येक अंग— मुख्य पाठ, पार्श्व-पट्टिकाएँ, चित्र अथवा मानचित्र— मूल्यांकन और आकलन के अंतर्गत आ सकते हैं। तथापि, इसके कुछ अपवाद हैं—

- अध्यायों के प्रारंभिक पृष्ठ पर दी गई उक्ति अथवा उक्तियाँ। इनमें से कुछ सरल हैं जबकि कुछ गहन चिंतन को प्रेरित करती हैं। यदि प्रथम बार पढ़ने पर वे पूर्णतः समझ में न आएँ, तो चिंता न करें; उनका उद्देश्य आपको प्रेरित करना है।
- जहाँ-जहाँ पाठ में यह उल्लेख किया गया है— "इसे याद रखना आवश्यक नहीं है।"
- शब्दावली (पाठ्यपुस्तक के अंत में)।

उपरोक्त पहलुओं पर किसी भी प्रकार का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

© NCERT not to be republished

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

1. एम.सी.पंत, *कुलाधिपति*, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान **(अध्यक्ष)**
2. मञ्जुल भार्गव, *आचार्य*, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी **(सह-अध्यक्ष)**
3. सुधा मूर्ति, प्रतिष्ठित लेखिका एवं शिक्षाविद्
4. स्व. बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष*, प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.–पी.एम.)
5. शेखर मांडे, पूर्व *महानिदेशक*, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् एवं प्रतिष्ठित *आचार्य*, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
6. सुजाता रामदोरई, *आचार्य*, ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी, कनाडा
7. शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई
8. यू. विमल कुमार, *निदेशक*, प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरु
9. मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर
10. सुरीना राजन, *आई.ए.एस.* (सेवानिवृत्त), हरियाणा एवं पूर्व *महानिदेशक*, एच.आई.पी.ए.
11. चमू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय
12. संजीव सान्याल, *सदस्य*, प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.–पी.एम.)
13. एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नई
14. गजानन लोंढे, *प्रमुख*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.
15. रबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम
16. प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य*, इतिहास, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूरु
17. दिनेश कुमार, *आचार्य*, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
18. कीर्ति कपूर, *आचार्य* (सेवानिवृत्त), भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
19. रंजना अरोड़ा, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यक्रम अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली **(सदस्य-सचिव)**

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

सी.ए.जी. सामाजिक विज्ञान (सी.ए.जी.-एस.एस) अध्यक्ष

मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, आई.आई.टी. गाँधीनगर

सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र) अध्यक्ष

संजीव सान्याल, *सदस्य*, ई.ए.सी.– पी.एम.

सहयोग

अर्काप्रोवो दास, *वरिष्ठ शोध अध्येता*, भूगोल विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

आशीर्वाद द्विवेदी, *सहायक आचार्य*, प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय

एम. प्रमोद कुमार, *सहायक आचार्य*, अमृत दर्शन अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अध्ययन केंद्र, अमृत विश्व विद्यापीठ, कोयंबटूर

कश्मीरा जुवाटकर, *शोध सहायक*, जॉनसन ओडाक्कल इनीशिएटिव्स

जॉनसन ओडाक्कल, *कोमोडोर* (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व *निदेशक*, मैरिटाइम हिस्ट्री सोसाइटी तथा फैकल्टी, आदित्य बिड़ला वर्ल्ड एकेडमी

दिव्या इंद्रा चटर्जी, *चार्टर्ड अकाउंटेंट* एवं *वरिष्ठ परामर्शदाता*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

दिया देवरे, *सहायक आचार्य*, सिंबॉयोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, पुणे

नबज्योति डेका, *सहायक आचार्य*, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय

निखिल बेल्लारिकर, *इतिहासकार*, लेखक एवं अनुवादक

भावना पालीवाल, *शिक्षाविद्* एवं *वरिष्ठ परामर्शदाता*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

शिवकुमार जोलाद, *सह-आचार्य*, पब्लिक पॉलिसी, स्कूल ऑफ लिबरल एजुकेशन, फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे

संदीपा मदान, *शिक्षाविद्*, शिव नादर स्कूल, गुरुग्राम

सुप्रिया मिश्रा, *ऑपरेशंस एसोसिएट*, जॉनसन ओडाक्कल इनीशिएटिव्स

© NCERT not to be republished

सुपर्णा दिवाकर, *शिक्षाविद् एवं डेवलपमेंट सेक्टर प्रोफेशनल* तथा *चीफ कंसल्टेंट*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

सृष्टि चौहान, *यंग प्रोफेशनल*, (ई.ए.सी.–पी.एम.) नीति आयोग

सदस्य समन्वयक

एम.वी. श्रीनिवासन, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र)

सीमा शुक्ला ओझा, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

समीक्षक

अदिति मिश्रा, *निदेशक प्रधानाचार्य*, दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम और *शिक्षक*— कनु चोपड़ा, लीजा दत्ता, अवनी मेहता, ममता कुमार, सुपर्णा शर्मा

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

अमर्त्य कुमार दत्ता, *आचार्य*, स्टैट-मैथ यूनिट, इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट, कोलकाता

एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नई

एम.एस. श्रीराम, पूर्व *अध्यक्ष*, थियोरोटिकल फिजिक्स डिपार्टमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास; एवं *प्रेसिडेंट*, प्रो. के.वी. शर्मा रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई

क्लॉड आर्पी, *डिस्टिंग्विश्ड फेलो*, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हिमालयन स्टडीज, शिव नादर इंस्टिट्यूशन ऑफ एमिनेंस (दिल्ली)

कुमारी रोहिणी, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

गण्टि एस. मूर्ति, *राष्ट्रीय समन्वयक*, भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग (आई.के.एस. डिवीजन), शिक्षा मंत्रालय

गौरी श्रीवास्तव, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

जया सिंह, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै. अ.प्र.प., नई दिल्ली

तनु मलिक, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य* (इतिहास), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूरु

प्राची लाहिड़ी, *इतिहास शिक्षक*, नेशनल पब्लिक स्कूल, बेंगलुरु

© NCERT not to be republished

प्रतिमा कुमारी, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै अ.प्र.प., नई दिल्ली

भैरू लाल यादव, *सह-आचार्य* (जनसंख्या अध्ययन), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै अ.प्र.प., नई दिल्ली

राधा नारायण, *शोधकर्ता* एवं *लेखक*, चिन्मय मिशन, चेन्नई

रश्मि, *सह-आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रुचिका सिंह, *सहायक आचार्य*, भूगोल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; एवं *समन्वयक*, भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग (आई.के.एस. डिवीजन), शिक्षा मंत्रालय

वी. सेल्वकुमार, *सह-आचार्य* एवं *विभागाध्यक्ष*, डिपार्टमेंट ऑफ मैरिटाइम हिस्ट्री एंड मरीन आर्कियोलॉजी, तमिल यूनिवर्सिटी

विनीता रिखी, *निदेशक* (इंडियन), ला मोंडियाल ग्रुप, ला मोंडियाल अकादेमिया

संजीव रंजन, *सह-आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सविता सागर, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

साईनाथ शंकरराव कबाड़े, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शंकर शरण, *आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शिप्रा वैद्या, *आचार्य* (वाणिज्य), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुखविंदर, *सह-आचार्य* (भूगोल), पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुभाष सिंह, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुमन गौतम, *भूगोल एजुकेटर*, द श्री राम स्कूल, मौलसरी, हरियाणा

सुरेन्द्र सी. ठाकुरदेसाई, *आचार्य* (भूगोल) एवं *विभागाध्यक्ष*, डिपार्टमेंट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, गोगटे जोगलेकर कॉलेज, रत्नागिरि

© NCERT not to be republished

हिंदी अनुवाद

अंकित जोशी, *प्रवक्ता* (राजनीति विज्ञान), राजकीय इंटर कॉलेज बुरांसखंडा, रायपुर, देहरादून, उत्तराखंड

अजीत कुमार साहू, *सह-आचार्य* (अर्थशास्त्र), सी.एस.डब्ल्यू.ई., एस.आई.एस., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

अविनाश सकलानी, *वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक* (सेवानिवृत्त), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

तरुण मिश्रा, *टी.जी.टी.*, सामाजिक विज्ञान एवं *कोर अकादमिक यूनिट*, परीक्षा शाखा, शिक्षा विभाग

नीरजा रश्मि, *आचार्य* (सेवानिवृत्त), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रवीण सिन्हा, *पी.जी.टी.* (भूगोल), जवाहर नवोदय विद्यालय, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश

सविता पाठक, *सहायक आचार्य*, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

सौरभ कुमार सुमन, *रिसर्च एसोसिएट*, डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

हिंदी अनुवाद समीक्षक

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

अभय एस. प्रसाद, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

आलोक कुमार सिंह, *सहायक आचार्य* (अर्थशास्त्र), मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान *विभाग,* जे.पी. इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, उत्तर प्रदेश

कुमारी रोहिणी, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

तनु मलिक, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रतिमा कुमारी, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

बी.एस. बुटोला, *सह-आचार्य* (सेवानिवृत्त), भूगोल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै अ.प्र.प., नई दिल्ली

लक्ष्मी दीक्षित, *सह-आचार्य* (इतिहास), महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड

वेदव्रत तिवारी, *सहायक आचार्य* (इतिहास), कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय

शंकर शरण, *आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

संजीव रंजन, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

सरिता सिंह, *सह-आचार्य* (राजनीति विज्ञान), डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, देहरादून, उत्तराखंड

सविता सागर, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुभाष सिंह, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

स्वस्ति शर्मा, *वरिष्ठ परामर्शदाता,* प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

भाग-3 (अनुच्छेद 12-35)

(अनिवार्य शर्तों, कुछ अपवादों और युक्तियुक्त निर्बंधन के अधीन)

द्वारा प्रदत्त

मूल अधिकार

समता का अधिकार

- विधि के समक्ष एवं विधियों के समान संरक्षण;
- धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर;
- लोक नियोजन के विषय में;
- अस्पृश्यता और उपाधियों का अंत।

स्वातंत्र्य-अधिकार

- अभिव्यक्ति, सम्मेलन, संघ, संचरण, निवास और वृत्ति का स्वातंत्र्य;
- अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण;
- प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण;
- छः से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा;
- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

- मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध;
- परिसंकटमय कार्यों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध।

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

- अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता;
- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता;
- किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के संबंध में स्वतंत्रता;
- राज्य निधि से पूर्णतः पोषित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता।

संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार

- अल्पसंख्यक-वर्गों को अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति विषयक हितों का संरक्षण;
- अल्पसंख्यक-वर्गों द्वारा अपनी शिक्षा संस्थाओं का स्थापन और प्रशासन।

सांविधानिक उपचारों का अधिकार

- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देश या आदेश या रिट द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने का उपचार।

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष एवं सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है। साथ ही, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम सामग्री निर्माण समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष एवं सदस्यों का भी धन्यवाद ज्ञापित करती है, जिन्होंने इस पुस्तक की गहन समीक्षा की एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, रा.शै.अ.प्र.प. सामाजिक विज्ञान और अर्थशास्त्र के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों एवं अन्य संबंधित समूहों का आभार प्रकट करती है, जिन्होंने पार-अनुशासनिक विषयों (क्रॉस-कटिंग थीम्स) को पुस्तक में समाहित करने में सहयोग और मार्गदर्शन दिया।

पाठ्यपुस्तक निर्माण में सामाजिक विज्ञान और अर्थशास्त्र के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के सदस्यों की सहभागिता और योगदान अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। इस पाठ्यपुस्तक में पार-अनुशासनिक विषयों के समेकन में योगदान देने वाले अन्य पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों और सदस्यों को भी विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है।

हम बैनियन ट्री की श्वेता राव के भी विशेष आभारी हैं, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक के आकर्षक डिजाइन, रूप-सज्जा और दृश्य गुणवत्ता में अत्युत्तम योगदान दिया तथा संपूर्ण प्रक्रिया में निरंतर निष्ठापूर्वक कार्य किया। चित्रांकन कार्य में अल्बर्ट श्रीवास्तव, अत्रि चेतन, निधि कश्यप, प्राची सहस्रबुद्धे और प्रशांत सिंह अपने अभिनव डिजाइनों, रेखाचित्रों और रचनात्मकता के लिए प्रशंसा के पात्र हैं, जिन्होंने पुस्तक की दृश्य गुणवत्ता को समृद्ध किया। मानचित्रों को सजीव बनाने के लिए हम अर्काप्रोवो दास के कार्य की प्रशंसा करते हैं, विशेष रूप से जिस प्रकार उन्होंने हमारे बार-बार बदलाव के अनुरोधों को धैर्यपूर्वक स्वीकार करते हुए विद्यार्थियों के लिए मानचित्रों को जीवंत बनाया है। पाठ्यपुस्तक निर्माण में विभिन्न स्तरों पर सहयोग के लिए हम आशिता बक्शी और साक्षी सिंह, *जे.पी.एफ.*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग की सराहना करते हैं।

परिषद्, इस पुस्तक के प्रकाशन, भाषा संपादन और इसे अंतिम रूप देने के लिए अतुल मिश्रा, *संपादक (संविदा)*; राहुल सेमवाल, *सहायक संपादक (संविदा)*; श्रेया गुप्ता, प्रियंका एवं अब्दुल मजीद, *प्रूफरीडर (संविदा)*; पवन कुमार बरियार, *प्रभारी*, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ, अयाज़ अहमद अंसारी, मनोज कुमार एवं शिवशंकर दुबे *डी.टी.पी. ऑपरेटर (संविदा)* तथा समीर अंसारी, *कंप्यूटर टाइपिस्ट* के प्रयासों के प्रति भी परिषद् आभार व्यक्त करती है।

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता**

और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

विषय-सूची

आमुख — *iii*

विद्यार्थी के नाम पत्र — *v*

विषय (क) — भारत एवं विश्व : भूभाग एवं उनके निवासी

अध्याय 1 भारत में कृषि की यात्रा — 1

अध्याय 2 भारत का पड़ोसी देशों से संबंध — 29

विषय (ख) — अतीत के चित्रपट

अध्याय 3 साम्राज्य और राज्य : छठी से 10वीं शताब्दी — 61

अध्याय 4 संघर्ष एवं परिवर्तन का काल : 11वीं और 12वीं शताब्दी — 97

विषय (ग) — हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपराएँ

अध्याय 5 भारत : एक सुरक्षित आश्रय-स्थल — 125

विषय (घ) — शासन प्रणाली और लोकतंत्र

अध्याय 6 राज्य, सरकार और नागरिक — 143

विषय (ङ) — हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन

अध्याय 7 अवसंरचना : भारत के विकास की नींव — 169

अध्याय 8 बैंक एवं वित्तीय सेवाएँ — 193

भारत का मानचित्र — *214*

शब्दावली — *216*

बाह्य स्रोतों से प्राप्त चित्र और मानचित्र — *218*

© NCERT not to be republished

वसुधैव कुटुम्बकम्

संपूर्ण विश्व एक परिवार है